सुनलो विनती दयानिधान भजन लिरिक्स

एक बार तो घर में पधारो,
एक बार तो घर में पधारो,
हे गजानन भगवान,
सुनलो विनती दयानिधान,
सुनलों विनती दयानिधान।bd।

तर्ज – कन्हैया ले चल परली पार।

घट घट वासी अंतर्यामी,
तीनों लोक के तुम हो स्वामी,
रिद्धि सिद्धि के तुम हो दाता,
सारे जग के भाग्य विधाता,
आओ विराजो बिच सभा में,
आओ विराजो बिच सभा में,
रखना हमारा मान,
सुनलों विनती दयानिधान,
सुनलों विनती दयानिधान।bd।

माथे मुकुट चमक रहा है,
कानो में हिरा दमक रहा है,
भक्तो का दिल धड़क रहा है,
मिलने को तुमसे तड़प रहा है,
देर करो ना जल्दी आओ,
देर करो ना जल्दी आओ,
शिव गौरा के लाल,
सुनलों विनती दयानिधान,
सुनलों विनती दयानिधान।bd।

बैठे है हम भजन सुनाने,
हे गजानन तुमको रिझाने,
अटकी नैया लगा दो किनारे,
तुम हमारे हम है तुम्हारे,
हाथ जोड़ के 'अर्चू' खड़ी है,
हाथ जोड़ के 'अर्चू' खड़ी है,
रखना हमारी लाज,
सुनलों विनती दयानिधान,

Bhajan Diary Lyrics,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सुनलों विनती दयानिधान।bd।

एक बार तो घर में पधारो,
एक बार तो घर में पधारो,
हे गजानन भगवान,
सुनलो विनती दयानिधान,
सुनलों विनती दयानिधान।bd।

Singer – Upasana Mehta

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com